स्नातक कार्यक्रम

बी.ए. संस्कृत (सामान्य) कार्यक्रम

BAASK/BAG(Sanskrit)/BAM

पाठ्यक्रम -**BSKC** -132 **संस्कृत गद्य साहित्य**

सत्रीय कार्य

(जनवरी, **2026** एवं जुलाई, **2027** सत्रों के लिए)

BSKC -132 **संस्कृत गद्य साहित्य**

मानविकी विद्यापीठ
इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली- **110068**

स्नातक कार्यक्रम

सत्रीय कार्य (2025-25)

पाठ्यक्रम शीर्षक- संस्कृत गद्य साहित्य

पाठ्यक्रम कोड : **BSKC -132/2026-27**

प्रिय छात्र/छात्राओं,

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य **(TMA)** है। सत्रीय कार्य के लिए **100** अंक निर्धारित किए गए हैं। सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जायेंगे।

उद्देश्य : शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

निर्देश : सत्रीय कार्य आरम्भ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िये :

1.) अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनाँक लिखिए।

2.) बाईं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख करें जैसा आगे दिखाया गया है :

अनुक्रमांक : .....

नाम : .....

पता : .....

पाठ्यक्रम का नाम/कोड : .....

सत्रीय कार्य कोड : .....

अध्ययन केन्द्र का नाम/कोड : .....

दिनाँक : .....

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

1. अध्ययन: सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। फिर इससे संबंधित इकाईयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ विशेष बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढ़ग से व्यवस्थित कीजिए।

2. अभ्यास: उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। अनावश्यक बातों को हटा दीजिए और प्रत्येक बिन्दु पर विस्तार से विचार कीजिए। निबन्धात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरम्भ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरम्भिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढ़ग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,

ख) उत्तर सही ढ़ग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,

ग) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियों न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

3. प्रस्तुति: जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ, तो उसे साफ़ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजिए।

शुभकामनाओं के साथ।

नोट: याद रखें कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है, अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

सत्रीय कार्य जमा कराने की तिथियाँ:

जनवरी, 2026 सत्र के लिए : 30 सितम्बर, 2026

जुलाई, 2026 सत्र के लिए : 31 मार्च, 2027

सत्रीय कार्य

BSKC -132

संस्कृत गद्य साहित्य

पाठ्यक्रम कोड : **BSKC** -132

पाठ्यक्रम शीर्षक : संस्कृत गद्य साहित्य

सत्रीय कार्य : **BSKC -132/TMA/2026-27**

पूर्णांक : 100

नोट – सभी प्रश्न अनिवार्य हैं : -

खण्ड-क

(व्याख्यात्मक प्रश्न)

1 . अधोलिखित गद्यांशों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए 20X 2=40

(क) यथा यथा चेयं चपला दीप्यते तथा तथा दीपशिखेव कज्जलमलिनमेव कर्म केवलमुद्वमति । तथाहि । इयं संवर्धनवारिधारा तृष्णाविषवल्लीनाम्, व्याधगीतिरिन्द्रियमृगाणाम्, परामर्शधूमलेखा सच्चरितचित्राणाम्, विभ्रमशय्या मोहदीर्घनिद्राणाम्, निवासजीर्णवलभी धनमदपिशाचिकानाम्, तिमिरोड्गतिः शास्त्रदृष्टीनाम्, पुरःपताका सर्वाविनयानाम्, उत्पत्तिनिम्नगा क्रोधावेगग्राहाणाम् आपानभूमिर्विषयमधूनाम्, सङ्गीतशाला भूविकारनाट्यानाम्, आवासदरी दोषाशी विषाणाम्, उत्सारणवेत्रलता सत्पुरुषव्यवहाराणाम्, अकालप्रावृड् गुणकलहंसकानाम्, विसर्पणभूमिर्लो कापवादविस्फोटकानाम्, प्रस्तावना कपटनाटकस्य, कदलिका कामकारिणः, वध्यशाला साधुभावस्य, राहुजिह्वा धर्मेन्दुमण्डलस्य ।

अथवा

केचित् श्रमवशशिथिल-शकुनिगलपुटचपलाभिः खद्योतोन्मेषमुहूर्त मनोहराभिः ५ मनस्विजनगर्हिताभिः सम्पद्भिः प्रलोभ्यमानाः, धनधवलाभावलेपविस्मृत जन्मानः अनेकदोषोपचितेन दोषासृजेव रागावेशेन बाध्यमानाः, विविधविषयग्रासलालसैः प'चभिरप्यनेकसहस्त्रसंख्यैः इवेन्द्रियैः आयास्यमानाः, प्रकृतिच' चलतायाः लब्धप्रसरेण एकेनापि शतसहस्त्रतामिवोपगतेन मनसा आकुलीक्रियामाणाः विह्वलताम् उपयान्ति।

(ख) तत्क्षणमेव च "कुत इदम्? किमिदमिति दृश्यतां ज्ञायताम्" इत्यादिश्य छात्रेषु विसृष्टेषु, क्षणानन्तरं छात्रेणैकेन भयभीता सवेगमत्युष्णं दीर्घ निःश्वसती, मृगौव व्याघ्राऽऽघ्राता, अश्रुप्रवाहैः स्नाता, सवेपथुः कन्यकैका अड्के निधाय समानीता। चिरान्वेषणेनापि च तस्याः सहचरी सहचरो वा न प्राप्तः । तां च चन्द्रकलयेव निर्मिताम्, नवनीतेनेव रचिताम्, मृणाल-गौरीम्, कुन्दकोरकाग्रदतीं सक्षोमं रुदतीमवलोक्याऽस्माभिरपि न पारितं निरोद्धं नयनबाष्पाणि।

अथवा

अथ कालक्रमेण सप्ताशीत्युत्तरसहस्त्रतमे (1087) वैक्रमाब्दे सशोकं सकष्टं च प्राणांस्त्यक्तवति महामदे, गोरदेशवासी कश्चित् शहाबुद्दीन नामा प्रथम गजिनीदेशमाक्रम्य, महामदकुलं धर्मराजलोकाध्वन्यध्वनीनं

विधाय, सर्वाः प्रजाश्च पशुमारं मारयित्वा, तद्रुधिरार्द्रमृदा गोरदेशे बहून गृहान् निर्माय चतुरङ्गिण्याऽनीकिन्या भारतवर्ष प्रविश्य, शीतलशोणितानप्यसयन् प´ चाशदुत्तर-द्वादश-शतमितेऽब्दे दिल्लीमश्वयाम्बभूव |

खण्ड-ख

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 700 शब्दों में लिखिए। 15x2= 30

2 आचार्य विश्वेश्वर के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

गद्यकाव्य के उद्भव और विकास का वर्णन कीजिए ।

3. शुकनासोपदेश' के आधार पर राजाओं की विभिन्न अवस्थायों का वर्णन कीजिए।

अथवा.

शिवराजविजय के आधार पर योगिराज का वर्णन कीजिए।

खण्ड-ग

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निम्नलिखित में से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लगभग 250 शब्दों में लिखिए**।** **6x5= 30**

4 पौराणिक एवं वैदिक गद्य को स्पष्ट कीजिए ।

5 बाणभट्ट का जीवन परिचय लिखिए |

6 शुकनासोपदेश' के अनुसार कादम्बरी का वर्णन कीजिए।

7 शिवाजी की चारित्रिक विशेषतायों का वर्णन कीजिए |

8 महाकवि माघ की भाषाशैली की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

9 पञ्चतंत्र पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए ।

10 दण्डी के कृतित्व और व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए।